● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 पटना हाई कोर्ट को दो नए जस्टिस मिले, राज्यपाल में दिलाई गोपनीयता की शपथ

04 प्रेम व शांति का संदेश है 'चंपारण-कश्मीर सद्भावना' यात्रा: राकेश

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, गुरुवार, 02 नवम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 266

भारत-बांग्लादेश संबंधों का नया अध्याय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से त्रिपुरा के अगरतला और बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले के अखौरा के बीच भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय रेल मार्ग का उद्घाटन किया। संयुक्त रूप से जिन तीन भारतीय सहायता प्राप्त विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया उनमें अखौरा अगरतला क्रॉस-बॉर्डर रेल लिंक, खुलना - मोंगला पोर्ट रेल लाइन और मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट की यूनिट - II शामिल हैं।

अखौरा - अगरतला क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक परियोजना को भारत सरकार द्वारा बांग्लादेश को दी गई 392.52 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के तहत क्रियान्वित किया गया है।

बांग्लादेश में 6.78 किमी दोहरी गेज रेल लाइन और त्रिपुरा में 5.46 किमी के साथ रेल लिंक की लंबाई 12.24 किलोमीटर है।

खुलना- मोंगला पोर्ट रेल लाइन परियोजना को भारत सरकार की रियायती ऋण सुविधा के तहत 388.92 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल परियोजना लागत के साथ कार्यान्वित किया गया है। इस परियोजना में मोंगला बंदरगाह और खुलना में मौजूदा रेल नेटवर्क के बीच लगभग 65 किलोमीटर ब्रॉड गेज रेल मार्ग का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह मोंगला ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क से जुड़ गया है।

1.6 बिलियन अमेरिकी डालर के भारतीय रियायती वित्तपोषण योजना ऋण के तहत मैत्री सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट, बांग्लादेश के खुलना डिवीजन के रामपाल में स्थित 1320 मेगावाट (2x660) सुपर थर्मल पावर प्लांट (एमएसटीपीपी) है। यह परियोजना बांग्लादेश-भारत मैत्री पावर कंपनी (प्राइवेट) लिमिटेड (बीआईएफपीसीएल) द्वारा कार्यान्वित की गई है, जो भारत की एनटीपीसी लिमिटेड और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (बीपीडीबी) के बीच 50:50 की संयुक्त उद्यम कंपनी है। मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट की यूनिट-1 का सितंबर 2022 में दोनों प्रधानमंत्रियों द्वारा संयुक्त रूप से अनावरण किया गया था और यूनिट - 2 का उद्घाटन 1 नवंबर 2023 को किया जाएगा। मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट के संचालन से बांग्लादेश में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी। ये परियोजनाएं क्षेत्र में कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेंगी।

मिजोरम की समृद्धि और उन्नति के लिए कांग्रेस की जीत जरूरी : सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि मिजोरम की समृद्धि, उन्नति और शांति के लिए वहां कांग्रेस की सरकार बननी जरूरी है।

ऐसे में वह राज्य की जनता से आह्वान करती हैं विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भारी मतों से विजयी बनाएं। सोनिया गांधी ने बुधवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि मिजोरम उनके दिल के करीब है।

वह कई बार राज्य की यात्राएं कर चुकी हैं। वहां के रीति-रिवाज और संस्कृति बहुत खूबसूरत है। उनकी जरूरतों और भावनाओं को कांग्रेस समझती है।

कांग्रेस की सरकार बनी तो किसानों को हर वर्ष मिलेगा 15 हजार रुपये : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने तेलंगाना की जनता से वादा किया है कि राज्य में सरकार बनने पर किसानों को वर्ष में 15 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग दिया जाएगा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार शाम को तेलंगाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में सरकार बनने के बाद किसानों को हर वर्ष 15 हजार रुपये का सहयोग दिया जाएगा। साथ ही महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये व 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। कहा कि खेतिहर मजदूरों को उनकी सरकार वर्ष में 12 हजार रुपये, धान पर 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस, गृह ज्योति योजना के तहत राज्यवासियों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी।

छह राज्यों के स्थापना दिवस पर PM की शुभकामना

नई दिल्ली। 1 नवम्बर को भारत के अनेक राज्य अस्तित्व में आए थे। एक नवम्बर को ही दक्षिण के केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक राज्यों की स्थापना हुई तो उत्तर में हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ की भी स्थापना भी हुई। इन सभी राज्यों के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बधाई संदेश भेजे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर हिन्दी, अंग्रेजी व राज्यों की भाषा में भी बधाई संदेश भेजे हैं। हरियाणा के स्थापना दिवस पर उन्होंने लिखा- हरियाणा के अपने सभी परिवारजनों को राज्य के स्थापना दिवस पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। इस प्रदेश ने हमेशा ही कृषि और रक्षा जैसे बड़े क्षेत्रों में देश को महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यहां के युवा इनोवेशन की दुनिया में भी अपना परचम

लहरा रहे हैं। मेरी कामना है कि विकास के हर मानदंड पर यह राज्य नए-नए कीर्तिमान गढ़ता रहे। मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा- 'मध्य प्रदेश के अपने सभी परिवारजनों को राज्य के स्थापना दिवस पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। विकास की नित-नई ऊंचाइयों को छू रहा हमारा मध्य प्रदेश अमृतकाल में देश के संकल्पों को साकार करने में अहम योगदान दे रहा है।

छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस पर भेजे गए बधाई संदेश में प्रधानमंत्री ने लिखा, 'छत्तीसगढ़ के अपने सभी भाइयों और बहनों को राज्य के स्थापना दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। यहां के लोगों की जीवंतता इसे एक विशेष राज्य बनाती है।

इस राज्य की संस्कृति को समृद्ध बनाने में हमारे आदिवासी समुदायों का बहुत ही अहम योगदान है। प्रदेश की गौरवशाली परंपरा और सांस्कृतिक विरासत हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। मैं प्राकृतिक और सांस्कृतिक वैभव से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।' कर्नाटक के राज्योत्सव पर कन्नड़ और अंग्रेजी में भेजे गए संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'कर्नाटक के राज्योत्सव पर हम उनकी महान भावना का उत्सव मना रहे हैं जो प्राचीन नवाचार और आधुनिक उद्यम का उद्गम स्थल है। इस राज्य के लोग गर्मजोशी और बुद्धिमत्ता का मिश्रण हैं, और अपने राज्य की महानता को बनाए रखने व निरंतर प्रगति को बढ़ावा देते हैं।

प्रधानमंत्री ने मलयालम और अंग्रेजी में केरल के बारे में लिखा- 'केरल पिरावी के विशेष अवसर पर शुभकामनाएं। अपने परिश्रम और अपनी सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध छवि के लिए पहचाने जाने वाले केरल के लोग लचीलेपन और दृढ़ संकल्प का प्रतीक हैं। उन्हें हमेशा सफलता मिले और वे अपनी उपलब्धियों से प्रेरित होते रहें।'

संबोधन लद्दाख में आध्यात्मिक, एडवेंचर पर्यटन से जुड़ी अपार संभावनाएं हैं

लद्दाख युद्ध में वीरता के लिए जाना जाता है: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि लद्दाख में आध्यात्मिक, एडवेंचर, इको और स्वास्थ्य पर्यटन से जुड़ी अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि लद्दाख युद्ध में वीरता और बुद्ध में आस्था के लिए जाना जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की लद्दाख यात्रा के दूसरे दिन बुधवार को लद्दाख प्रशासन की ओर से सिंधु घाट पर एक नागरिक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपति और लद्दाख के एलजी द्वारा सिंधु नदी की पूजा करने के साथ हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लेह में उनके सम्मान में आयोजित एक नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने लेह और लद्दाख के सौन्दर्य की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के

माध्यम से केन्द्र शासित प्रदेश के 80 प्रतिशत परिवारों तक नल से जल पहुंच चुका है। उन्होंने यहां के लोगों की वीरता की प्रशंसा की।

राष्ट्रपति ने लद्दाख की जनता से विभिन्न क्षेत्रों में अपने योगदान को बढ़ाते रहने का आह्वान किया । उन्होंने आशा व्यक्त की कि अपनी भौगोलिक ऊंचाइयों की भांति ही लद्दाख की जनता भी प्रगति की ऊंचाइयां छुएगी।

राजस्थान में बनेगी भाजपा की सरकार तिजारा से हुआ शंखनाद : आदित्यनाथ

अलवर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी और तिजारा से इसका शंखनाद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री अलवर के सांसद और तिजारा से भाजपा प्रत्याशी बाबा बालकनाथ के नामांकन के लिए तिजारा आए थे।

इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि राजस्थान में हिंदू विरोधी कांग्रेस की सरकार है। राजस्थान में गोमाता को नुकसान हुआ है। अपराध, गोकशी, बलात्कार के बढ़ते मामलों से राजस्थान फेमस हो गया है। हम उत्तर प्रदेश में अपराध मिटा सकते हैं तो राजस्थान में क्यों नहीं मिटाया जा सकता। योगी ने कहा कि राजस्थान में अराजकता नहीं बल्कि रामराज्य लाएंगे। भाजपा की सरकार बनी तो उत्तर प्रदेश की तरह अपराधियों में यहां भी खौफ होगा।

आदित्यनाथ ने कहा कि बालकनाथ का अपना कोई परिवार नहीं है। बालकनाथ ने तिजारा को ही अपना परिवार माना है। उनका एक ही मकसद है कि कोई भी इंसान परेशान नहीं हो, इसलिए बालकनाथ तिजारा आए हैं। उन्होंने इस दौरान मोदी सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने मोदी सरकार की योजनाओं को भी गिनाया। योगी ने मोदी को संत के रूप में काम करने वाला प्रधानमंत्री बताया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आतंकियों द्वारा मारे गए कन्हैया के परिवार को पांच लाख का सहयोग भी बड़ी मुश्किल से मिलता है जबकि गोतस्करों को सरकार 50 लाख की सहायता दे देती है। जयपुर में बाइक भिड़ंत में 50 लाख का मुआवजा दिया, आखिर यह भेदभाव क्यों है।

पटना हाई कोर्ट को दो नए जस्टिस मिले, राज्यपाल में दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

पटना। पटना हाई कोर्ट को दो नये जस्टिस मिले हैं। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बुधवार को राजभवन के दरबार हॉल में न्यायमूर्ति नानी टैगिया और न्यायमूर्ति गुन्नू अनुपमा चक्रवर्ती को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ समारोह में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी, नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा, मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर, मंत्री आलोक मेहता, मंत्री श्रवण कुमार समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट कॉलिजियम ने पटना हाई कोर्ट में इन दोनों जजों के स्थानांतरण करने की अनुशंसा केंद्र सरकार से की थी। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने दोनों जजों के स्थानांतरित अधिसूचना जारी की और आज राज्यपाल ने दोनों न्यायाधीश को शपथ दिलाया।

जस्टिस नानी तागिया पहले गुवाहटी हाईकोर्ट में थे जबकि जस्टिस जी. अनुपमा चक्रवर्ती को तेलंगाना हाई कोर्ट से ट्रांसफर किया गया है। वर्तमान में मुख्य न्यायाधीश और 14 अतिरिक्त न्यायाधीश सहित 29 स्थायी न्यायाधीश हैं।

छपरा में सरयू नदी में नाव पलटने से तीन की मौत, 12 से ज्यादा लापता

बीएनएम@पटना

बिहार के छपरा में बुधवार देर शाम एक बड़ी नाव दुर्घटना हो गई। यहां मांझी के मटियार के पास सरयू नदी में नाव पलटने से तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि 12 से ज्यादा मजदूरों के लापता होने की सूचना है। नाव पलटने से अफरा-तफरी का माहौल है।

बताया जा रहा है कि दियारा में खेती करने के बाद ये लोग नाव से घर लौट रहे थे। इस बीच नाव सरयू नदी में पलट गयी। घटना की सूचना मिलते ही सारण डीएम और एसपी घटनास्थल के लिए रवाना हो गये। मौके पर

प्रशासनिक अधिकारियों सहित स्थानीय लोगों की भीड़ लगी है। राहत और बचाव कार्य चल रहा है।

शिक्षक नियुक्ति में गड़बड़ियों को छुपाने के लिए राज्य सरकार कर रही मेगा

पटना। बिहार में दो नवम्बर को राज्य सरकार की ओर से दिये जाने वाले नियुक्ति पत्र पर कटाक्ष करते हुए राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को कहा कि शिक्षक नियुक्ति में जितनी गड़बड़ियां हुई हैं, उन सब पर पर्दा डालने के लिए गांधी मैदान में मेगा इवेंट आयोजित किया जा रहा है। यह बिहार के युवाओं के साथ धोखा है।

उन्होंने जारी बयान में कहा कि शिक्षकों के एक लाख 70 हजार पद रहते हुए राज्य सरकार बमुश्किल 30 हजार बिहारी युवाओं को नयी नियुक्ति देने जा रही है। शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए 9 से 12 कक्षा के लिए आवेदन ही अपेक्षा से 40 हजार कम आये। फिर मात्र 1.22 लाख अभ्यर्थियों के पास होने से 48 हजार पद खाली रह गए। 10 हजार उत्तीर्ण लोगों ने बिहार सरकार की नौकरी स्वीकार नहीं कर खाली रह जाने वाले पदों की संख्या 60 हजार के करीब पहुंचा दी।

उन्होंने कहा कि जिन अभ्यर्थियों ने नौकरी स्वीकार की, उनमें मुश्किल से 30 हजार ही बिहारी युवा हैं। अन्य राज्यों के लगभग 40 हजार युवा बिहार में शिक्षक बनेंगे। 37,500 वो नियोजित शिक्षक हैं जो पहले से सरकारी सेवा में हैं उन्हें अब दोबारा नियुक्ति पत्र दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि हालत यह है कि प्लस-टू स्कूलों में गणित, भौतिकी और रसायन शास्त्र जैसे कई महत्वपूर्ण विषय पढ़ाने वाले योग्य शिक्षक नहीं मिले।

मोदी ने कहा कि महागठबंधन सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक के बाद 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का वादा किया था जबकि 14 महीने में वे सवा लाख लोगों को भी शिक्षक की नौकरी नहीं दे पाए। ऐसे तो 25 साल में भी 10 लाख नौकरी नहीं दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि जदयू और नीतीश कुमार ने 17 साल में बिहार की शिक्षा को बर्बाद कर दिया।

CM ने नालंदा में इथेनॉल प्लांट का किया शुभारंभ

बीएनएम@बिहारशरीफ

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज बुधवार को नालंदा जिले के बेन प्रखंड के ग्राम अरावॉ में पटेल एग्री इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 30 एकड़ में स्थापित इथेनॉल प्लांट का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया।

इस संयंत्र की कुल क्षमता 500 किलो लीटर प्रतिदिन है। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर इथेनॉल प्लांट के कार्य का भी शुभारंभ किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने इथेनॉल प्लांट का निरीक्षण किया और वहाँ की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने इथेनॉल प्लांट परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधायक डॉ० जीतेन्द्र कुमार, विधान पार्षद रीना यादव, पूर्व विधायक चन्द्रसेन प्रसाद, पूर्व विधायक ई० सुनील कुमार, पूर्व विधायक राजीव रंजन,

पूर्व विधायक हीरा बिन्द, पूर्व विधान पार्षद राजू यादव, अन्य जनप्रतिनिधिगण, पटेल एग्री इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉ० दिलीप पटेल, पटेल एग्री इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री राकेश पटेल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संदीप पौंड्रिक, पटना प्रमण्डल के आयुक्त कुमार रवि, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक राकेश राठी, नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, नालंदा के पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आरोप नौकरी देने की मांग क्यों नहीं करते जीतन राम : जयंत राज

प्रतिवर्ष दो करोड़ युवाओं को नौकरी देने का वादा जुमला निकला: श्रवण कुमार

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बुधवार को कहा कि कोई भी सरकार अपराध मुक्त प्रदेश बनाने का दावा नहीं कर सकती है लेकिन जो आपराधिक घटनाएं हो रही हैं उसको लेकर राज्य सरकार पूरी तरह से सजग है। कानून को चुनौती देने वाले अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। बिहटा की घटना निश्चित तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रशासन अपना काम कर रहा है और जो भी लोग इसमें दोषी पाए जाएंगे उनके ऊपर सख्त कार्रवाई होगी।

वे जदयू कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि दो नवंबर को गांधी मैदान में इतिहास बनने जा रहा है। जब से नीतीश कुमार बिहार का बागडोर संभाले हैं तब से बिहार के युवाओं को लगातार नौकरियां मिल रही है लेकिन इतनी बड़ी तादाद में पहले कभी भी नियुक्ति पत्र नहीं सौंप गई थी। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रामीण विकास विभाग में 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह का गठन हुआ है। इसके माध्यम से एक करोड़ से अधिक परिवार बिहार में आत्मनिर्भर बन चुके हैं। बिहार के स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, सिंचाई विभाग सहित अन्य विभागों में लगातार बहाली की प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिवर्ष दो करोड़ युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था लेकिन साढ़े नौ वर्षों के बाद भी उनका वादा जुमला साबित हुआ। नौकरी देने की बात तो दूर, मोदी सरकार ने युवाओं से उनकी नौकरी छीनने का काम किया है। शिक्षक भर्ती में भाजपा के धांधली के आरोपों पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा आधारहीन आरोप लगाकर छात्रों की योग्यता और प्रतिभा पर सवाल खड़े कर रही है। पैसे की लेनदेन को लेकर यदि भाजपा के पास कोई प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक करे। लघु एवं जल संसाधन मंत्री जयंत राज ने कहा कि बिहार में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा जा रहा है। पूरे बिहार के लिए यह हर्ष का विषय है लेकिन विरोधी लोग इस पर भी अपनी घटिया राजनीति कर रहे हैं। यह दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। बिहार की जनता सब देख रही है और ऐसे लोगों को कभी माफ नहीं करेगी।

महाविद्यालय शिक्षकों पर प्राणघातक हमले नहीं होगी बर्दाश्त: बुटा अध्यक्ष

बीएनएम@मोतिहारी

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के आह्वान पर लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय शिक्षक संघ ने बुधवार को एकदिवसीय धरना दिया। ज्ञातव्य हो कि 31 अक्टूबर 2023 मंगलवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई एसआरकेजी कॉलेज, सीतामढ़ी में पदस्थापित भौतिकी के सहायक प्राध्यापक डॉ.रवि पाठक को महाविद्यालय परिसर में ही असामाजिक तत्वों द्वारा गोली मार दी गई है। इस गोलीकांड के विरोध में बुटा अध्यक्ष प्रो.अरूण कुमार के नेतृत्व में महाविद्यालय को पूर्णतया बंद रखते हुए सभी कक्षाओं व परीक्षाओं को स्थगित रखा गया। बुटा अध्यक्ष प्रो.अरूण कुमार ने कहा कि कॉलेज शिक्षकों पर कृत प्राणघातक हमले को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब शिक्षकों पर ही जानलेवा हमला होगा तो अध्ययन, अध्यापन व अनुसंधान सदा के लिए बाधित हो जाएंगे।शिक्षकों के रक्षार्थ बुटा संघर्षरत रही है, संघर्षरत है और आगे भी संघर्षरत रहेगी। बुटा त्वरित न्याय की मांग करती है। बुटा सचिव डॉ.कुमार राकेश रंजन सहित सभी शिक्षक नारों का उद्घोष करते हुए दोषी अपराधी के अविलंब गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक कभी जंगल को काटता नहीं है बल्कि सदा रेगिस्तान को सींचकर राष्ट्रनिर्माण में सहभागी होता है। भय के इस परिवेश में राष्ट्रनिर्माण में सहभागी शिक्षकों को काम करना मुश्किल होता जा रहा है। बुटा जिलाध्यक्ष डॉ.पिनाकी लाहा ने कॉलेज परिसर में शिक्षकों की समुचित सुरक्षा की मांग की। सभी शिक्षकों ने काला बिल्ला लगाकर परीक्षा प्रपत्र सत्यापन, अग्रसारण, शिक्षण, वीक्षण व परीक्षण का पूर्णतः बहिष्कार किया। ज्ञात हो कि बुधवार प्रस्तावित इंटरमीडिएट उत्प्रेषण जांच परीक्षा तथा सत्र 2023-27 प्रथम समसत्र का परीक्षा प्रपत्र भरा जाना था। शिक्षकों के एकदिवसीय हड़ताल के कारण विद्यार्थी विभिन्न कार्यों को लेकर भटकते हुए बैरंग वापस लौट गए। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने संवाद प्रेषित करते हुए कहा कि हमलावर की गिरफ्तारी की मांग पर आहूत विरोध आंदोलन में लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय शिक्षक संघ पदाधिकारियों की ओर से संयुक्त सचिव ले.दुर्गेशमणि तिवारी, उपाध्यक्ष प्रो.राकेश रंजन कुमार, कोषाध्यक्ष प्रो.अरविंद कुमार, सदस्यों की ओर से डॉ.सुबोध कुमार, प्रो.राजेश कुमार सिन्हा, डॉ.सर्वेश दूबे, डॉ.जौवाद हुसैन, डॉ.संतोष विश्नोई, डॉ.रविरंजन सिंह, डॉ.नीरज कुमार, डॉ.के.के.सिन्हा, डॉ.जयंती झा, प्रो.मनोज कुमार, प्रो.जलेश्वर कुमार व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की ओर से प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण, अखिलेश कुमार, आशुतोष सहित सभी लोग उपस्थित थे।

बीपीएससी में सफल प्रियंका को केसरिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने किया सम्मानित

बीएनएम@केसरिया/हरसिद्धि

बीपीएससी में सफल प्रियंका कुमारी को मंगलवार को केसरिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स के द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान के रूप में मोमेंटो व पुष्पगुच्छ भेंट की गई। चैम्बर के अध्यक्ष प्रमोद चौधरी ने कहा कि इस सफलता से पूरा क्षेत्र गौरवान्वित है। प्रियंका प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले प्रतिभागियों के लिए एक नजीर है। इस अवसर पर सचिव राकेश कुमार रत्न, डॉ राकेश कुमार, केमिस्ट एंड ड्रग एसोसिएशन के केसरिया अध्यक्ष विजय प्रसाद के अलावा सुरेंद्र प्रसाद मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि प्रियंका राजपुर निवासी सेवानिवृत्त पेशकार सीताराम प्रसाद व गृहणी राधा देवी की पुत्री है। उसने सातवीं प्रयास में यह सफलता प्राप्त की है। प्रियंका वर्तमान में जीविका में सामुदायिक समन्वयक के पद पर हरसिद्धि में कार्यरत है। अब वे ग्रामीण विकास विभाग में बतौर बीडीओ अपनी सेवा देंगी। इधर, पूर्व नपं उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह सहित अन्य ने भी प्रियंका के घर पहुंच शुभकामना दी।

शुरुआत

यातायात थाना हुआ उद्घाटन

मोतिहारी। जिला में बहुप्रतीक्षित यातायात थाना का उद्घाटन डीएम सौरभ जोरवाल व एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने संयुक्त रूप से किया। बिहार सरकार के गृह (आरक्षी) विभाग द्वारा यातायात नियंत्रण एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से राज्य के विभिन्न जिलों में कुल 28 यातायात थाना के सृजन की स्वीकृति दी गई है जिसके तहत बुधवार को मोतिहारी जिला में भी 11:00 बजे पूर्वाहन में रघुनाथपुर थाना क्षेत्र स्थित पंचायत सरकार भवन, हरदिया में नवसृजित यातायात थाना का उद्घाटन किया गया। मौके पर डीडीसी समीर सौरव,एसडीएम सदर श्रेष्ठ अनुपम,एएसपी श्रीराज,एडिशनल डीएम ऋतुराज प्रताप सिंह,डीएसपी रक्षित रमेश कुमार साव,प्रभारी यातायात एसएचओ अतुल राज, उपस्थित थे। बताते चले कि नवसृजित यातायात थाना का कार्य क्षेत्र संपूर्ण जिला होगा।

सेशन एनसीसी कैंप का सफल समापन

कैडेटो ने ली सैनिक शस्त्रों की सूक्ष्मता की जानकारी

बीएनएम@मोतिहारी

एस.एस.बी. कैंप पिपराकोठी 71 वीं बटालियन के द्वारा बुधवार को विश्वजीत तिवारी कार्यवाहक कमांडेंट के नेतृत्व में "एक भारत - श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम" के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय में कैंप कर रहे शैक्षणिक भ्रमण पर आये एन.सी.सी. कैडेट्स के लिए तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जहाँ एन.सी.सी. कैडेट्सों को भारत-नेपाल सीमा दर्शन कराया गया और साथ ही उनको वाहिनीं मुख्यालय पिपराकोठी का भ्रमण और वीर योद्धाओं के पराक्रम वाले वीडियों दिखा कर उनके मनोबल को बढाया गया। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम के तहत बिहार, झारखंड व उड़ीसा के एन.सी.सी. कैडेट्स ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स को भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा का दर्शन कराते हुए उन्हें सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल के जवानों के कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई।

साथ हीं एस.एस.बी. के अधिकारीयों द्वारा उन्हें सेना व केन्द्रीय सशस्त्र बलों में योगदान करने के लिए प्रेरित किया गया तथा एसएसबी के भर्ती प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कर्नल पी.के.सिंह (एन.एन.सी.), उपेन्द्र सिंह डांगी उप-कमांडेंट, अंसल श्रीवास्तव सहा. कमांडेंट, इंस्पेक्टर रतनसी, विनीत कुमार, मुख्य आरक्षी खुशप्रीत, प्रदीप, संयम और बड़ी संख्या एन.सी.सी. के कार्मिक व सेना के जवान मौजूद थे।

शादी का झांसा देकर रिश्तेदार ने किया नाबालिग का यौन शोषण

नरकटियागंज, (पश्चिम चंपारण)। शिकारपुर थाना के एक गांव में शादी का झांसा देकर एक नाबालिग (15) के यौन शोषण की घटना घटी है। मामले में उसकी मां ने न्यायालय में कोर्ट परिवाद दायर किया है। न्यायालय के आदेश पर शिकारपुर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। घटना बीते अप्रैल की है।
मामले में रूपवलिया के अकबर अंसारी, इसराफिल अंसारी, एहसान अंसारी समेत सात लोगों को आरोपित किया गया है। दर्ज मामले में महिला ने बताया है कि उसने अपनी एक लड़की की शादी आरोपित इसराफिल अंसारी से की है। जिसके कारण आरोपितों का उसके घर आना जाना रहता है। इस बीच 28 अप्रैल को घर पर एक नाबालिग बेटी को छोड़कर वह एक शादी समारोह में गई। तभी आरोपित उसके घर से बेटी को बहला फुसलाकर शादी की नीयत से अपहरण कर ले गए।

एक भारत श्रेष्ठ भारत है यात्रा का मुख्य उद्देश्य, चंपारण की मिट्टी लेकर रवाना हुए श्रद्धालु

प्रेम व शांति का संदेश है 'चंपारण–कश्मीर सद्भावना' यात्रा: राकेश

मोतिहारी। ब्रावो फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक सह ब्रावो फार्मा के सीएमडी राकेश पांडेय ने कहा कि चंपारण-कश्मीर सद्भावना यात्रा प्रेम व शांति का संदेश देने निकली है। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। धारा 370 हटने के बाद चंपारण से कश्मीर तक यह पहली यात्रा निकली है, जो वहां के लोगों को देश की आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाली सत्याग्रह की भूमि चंपारण की ऐतिहासिकता से रुबरु कराएगी। यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालु वहां के धार्मिक स्थल व प्राचीण मंदिरों का दर्शन करेंगे और अपनी सनातन संस्कृति से रुबरु होंगे। मंगलवार को ब्रावो फाउंडेशन की ओर से शुरू चंपारण-कश्मीर सद्भावना यात्रा की रवानगी पर वह बोल रहे थे। कहा कि श्रीनगर के कुपवाड़ा में चंपारण की मिट्टी से चंपा के पौधे लगाए जाएंगे। यात्रा में सौ से अधिक लोग शामिल हैं। यात्रा को पांच ग्रुप में विभक्त किया गया है। सभी ग्रुप में दो-दो कॉर्डिनेटर रखे गए हैं। यह यात्रा शांति व प्रेम का संदेश है। यात्रा में डॉ. दिलीप कुमार सिंह, ई. अजय कुमार आजाद, कौशल किशोर सिंह, जय कुमार सिंह, सुदिष्ट नारायण सिंह, राजेश रंजन, जितेंद्र कुमार त्रिपाठी, अरुण कुमार सिंघला, सतीश कुमार टंडन, संदीप कुमार गिरि, आलोक कुमार मिश्रा, राजेश कुमार गुप्ता के अलावा बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हैं।

चेहरे पर खुशी के थे भाव: यात्रा में सौ से अधिक लोग शामिल थे। बापूधाम रेलवे स्टेशन से यात्रा दिल्ली के लिए रवाना हुई। वहां से सभी लोग प्लेन से कश्मीर जाएंगे। यात्रा में शामिल सभी लोगों के चेहरे पर खुशी के भाव थे। सभी ने फाउंडेशन की इस पहल की जमकर सराहना की है।

यात्रा अंतर्गत श्रद्धालु प्राचीन धार्मिक स्थल व मंदिरों का भ्रमण व दर्शन करेंगे। इनमें शंकराचार्य मंदिर, खीर भवानी मंदिर, त्रेहगाम शिव मंदिर, मार्तंड सूर्य मंदिर व शारदापीठ-कोरीडोर शामिल हैं। बताते चले कि श्रद्धालुओं को खान-पान, यात्रा भत्ता आदि सुविधाओं का खर्च का वहन ब्रावो फाउंडेशन स्वयं कर रही है।

खो-खो प्रतियोगिता में लगातार 7वी बार विजेता बना भंडार उच्च विद्यालय

बीएनएम@सिकरहना। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में खो खो अंडर 19 आयु वर्ग बालिका के फाइनल मुकाबले में उच्च विद्यालय मलाही को पराजित कर श्री सर्वजीत उच्च माध्यमिक विद्यालय भंडार लगातार सातवी बार जिला चैंपियन पर काबिज रहा। इसके पहले भी भंडार हमेशा अंडर 17 अंडर 19 के बालक एवम बालिका चैंपियन ट्रॉफी जीतता रहा है ,श्री सर्वजीत उच्च माध्यमिक विद्यालय भंडार कबड्डी खो खो एलेथिक्स हमेशा जिला स्तर पर अपनी धमकेदार प्रदर्शन करता रहा है। इस विद्यायल से हमेसा राज्य स्तरीय पर होने वाली खेल प्रतियोगिता में दर्जनों छात्र छात्राएं अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते है। खेल गतिविधि इस तरह प्रदर्शन के संबंध में भंडार उच्च माध्यमिक विद्यालय के

शारीरिक शिक्षक मुकेश्वर कुमार सर का कर्तव्य इस सुदूरवर्ती इलाके में खेल के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हुए है एक समय था जब की यहां छात्र छात्राओ को खेल के प्रति रुझान पैदा करने के लिए बच्चे और उनके माता पिता से संपर्क करते थे तो बहुत ही नकारत्मक प्रतिक्रिया देते थे परंतु फिर भी मैं हार नही माना खेल को खेल की भावनाओं से खेलने एवम खेल के प्रति सक्रामत पहलुओं को बच्चे और उनके अभिभावकों को समझ प्रस्तुत कर के उन्हे खेल से होने वाले साहरीरिक मानसिक बौद्धिक एवम सार्वनिक विकास के संदर्भ में जानकारी साझा करने जैसे उनके जागरूकता कार्यक्रम के द्वारा खेल के प्रति सकारात्मक विचार पैदा किए। आज इसी का प्रतिमान है की आज यहां के खिलाड़ी जिला नही राज्य स्तर पर भी पहचान बना रहे है। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भंडार टीम के उत्साह वर्धन के लिए उच्च विद्यालय भंडार के प्रधानाध्यापक नजीउल्लाह खान खिलाड़ियों के हौसले को बढ़ाने के लिए स्वयं मौजूद थे। इस खेल प्रतियोगिता के खो खो अंडर 17 बालक के कैप्टन मो सरफराज तालिब, सुजल, शिवम, आसिफ, प्रभात रंजन, सुमित, परसांत, रूपेश, आदित्य एवं स्वर्णिम प्रभात का प्रदर्शन सराहनीय था। वही अंडर 19 बालिका में नासरीन, अंसु अंडर 17 बालिका वर्ग में रौशन आरा, मुस्कान, अनु कुमारी, चंदतारा, एवं फुलतारा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

नए वोटर एवं महिलाओं का नाम निर्वाचक सूची में जोड़ें

बेतिया। अर्हता तिथि 01.01.2024 के आधार पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के परिप्रेक्ष्य में बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुयी। इस अवसर जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचक सूची का प्रारूप प्रकाशन 27 अक्टूबर को कर दिया गया है। इस पुनरीक्षण अविध में दिनांक-27.10.2023 से दिनांक-09.12.2023 तक प्रपत्र संग्रहण का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उक्त अवधि में शत-प्रतिशत योग्य नागरिकों का नाम निर्वाचक सूची में सम्मिलित करने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिया महिलाओं, नए वोटरों का नाम किसी भी सूरत में नहीं छूटना चाहिए। छुटे हुए महिलाओं का नाम जोड़ने से जेंडर रेसियों में सुधार होगा। निर्देश दिया कि कॉलेजों में अभियान चलाया जाय और नए वोटरों को निर्वाचक सूची में शामिल किया जाय।

फासीवादी राज के खिलाफ आंदोलन को गति देगा खेग्रामस का सातवां सम्मेलन

बीएनएम@बेतिया

चंपारण की धरती एक बार फिर इतिहास दोहराएगी । भारतीय लोकतंत्र को कम्पनी राज के हवाले कर जिस तरह से मोदी सरकार ने लूटतंत्र का विकास किया वह गरीब जनता, बेरोजगार युवा और फटेहाल किसान मजदूरों को अब बर्दाश्त नहीं है। चार एवं पांच नवम्बर को बेतिया में आयोजित अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा का सातवां राज्य सम्मेलन फासीवादी कम्पनी राज के खिलाफ देश भर में चल रही लड़ाई में मील का पत्थर साबित होगा । ये बातें मंगलवार को बेतिया भाकपा माले के जिला कार्यालय में आयोजित तैयारी बैठक में सिकटा विधायक व माले के राज्य कार्यकारिणी सदस्य वीरेन्द्र गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि आज अपने देश को नफरत व उन्माद की राजनीति से फासीवादी कम्पनी राज में बदल दिया गया है, जहां गरीबों की कोई नहीं सुनता। हर तरफ उसका दमन हो रहा है । उन्होंने बताया कि सम्मेलन में गरीबों के वास आवास लिए कानून, मनरेगा में दो सौ दिन काम और छह सौ रूपये मजदूरी, तीन हजार रूपये प्रतिमाह पेंशन, गरीबों के लिए दो सौ यूनिट फ्री बिजली, जातीय जनगणना सर्वे के आधार पर आरक्षण के दायरे का विस्तार व भूमि सुधार करने जैसी प्रमुख मांगों की कार्य दिशा पर विमर्श होगा। सम्मेलन में देश भर के दो हजार से अधिक डेलीगेट होंगे

जिन्हें भाकपा माले के महासचिव दीपंकर भट टाचार्य, एएन सिन्हा इंस्टीच्यूट के पूर्व निदेशक प्रो डीएम दिवाकर, प्रो विद्यार्थी विकास, माले के राज्य सचिव कुणाल, खेग्रामस के महासचिव धीरेन्द्र झा, विधायक दल के नेता महबूब आलम समेत कई प्रमुख नेता संबोधित करेंगे ।

तैयारी बैठक में जिले के प्रमुख नेता अरुण कुमार, सुनील यादव, सुनील कुमार राव, विशुनदेव यादव, सुरेन्द्र चौधरी, फरहान रजा, लालजी यादव, अच्छे लाल राम, सीताराम राम, वीरेन्द्र पासवान, ज्वाहर प्रसाद आदि शामिल थे।

राज्य कमेटी सदस्य सुनील यादव ने बताया कि सम्मेलन की तैयारी में वाम लोकतांत्रिक नागरिक समाज पुरजोर तरीके से जुटा हुआ। बापू सभागार में आयोजित उक्त सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाया जाएगा जिसका फलाफल एक तेज व निर्णायक जन आंदोलन के रूप में सामने आएगा

सेवा समायोजन को लेकर डाटा इन्ट्री ऑपरेटर कम्प्यूटर ऑपरेटर करेंगे चरणबद्ध आंदोलन

05 नवंबर को पूरे प्रदेश में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन, 06-11 नवंबर तक काला बिल्ला लगाकार करेंगे कार्य

बीएनएम@बेतिया

सेवा समायोजन सहित अन्य मांगों को लेकर बिहार राज्य डाटा इन्ट्री/कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ के तत्वाधान में जिला इकाई, पश्चिम चम्पारण, बेतिया की आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष, लक्ष्मण कुमार शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी।अध्यक्ष लक्ष्मण कुमार शर्मा ने ऑपरेटर साथियों से कहा कि विगत 25 वर्षों से बेल्ट्रॉन के माध्यम से समूचे राज्य में सचिवालय से लेकर प्रखंडस्तर पर डाटा इन्ट्री ऑपरेटर/कम्प्यूटर ऑपरेटर कार्य कर रहे हैं। सरकार के महत्वपूर्ण कार्य हमारे द्वारा ससमय निष्पादित किये जाते हैं।

उन्होंने कहा कि बारंबार संघ द्वारा मांग एवं अनुरोध करने के बावजूद भी हमलोगों को नजरअंदाज किया जाता है। विगत माह पटना में हुई बैठक/अधिवेशन में जिसमें राज्य के सभी जिलों के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य शामिल हुए थे, में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सरकार के समक्ष अपनी बातों को मजबूती से रखने के लिए चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाना है। इसके तहत 05 नवंबर को पूरे प्रदेश में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन, 06-11 नवंबर तक काला बिल्ला लगाकार कार्य किया जायेगा। 25 दिनों में सरकार अगर कोई सकारात्मक बातचीत एवं पहल नहीं करती है तो 28-29 नवंबर को दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल किया जायेगा। इसके बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई तो बाध्य होकर किया अनिश्चितकालीन हड़ताल भी किया जायेगा।

बैठक में अमरेन्द्र तिवारी, प्रभाष कुमार, कौशलेन्द्र शाही, शेषांक कुमार, प्रभुनाथ सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, संजय कुशवाहा, दीपू कुमार, चंदन ठाकुर, राजीव कुमार, रूपेश पटेल, मनोहर यादव, नवीन कुमार, ओमकार कुमार, नितेश कुमार, नंदकिशोर कुमार सहित अन्य कम्प्यूटर ऑपरेटरों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। सभी ऑपरेटरों ने एक स्वर में कहा कि अब सरकार की उपेक्षित नीति को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। संघ के आह्वान पर चरणबद्ध तरीके से होने वाले आंदोलन में तन-मन-धन से सहयोग किया जायेगा।

पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा की कोर्ट में हुई पेशी, मारपीट एवं फायरिंग का आरोप

मोतिहारी। सीवान के पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा को बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पेशी के लिए मोतिहारी कोर्ट लाया गया। ओसामा पर बीते अगस्त माह में उसके बहन के ससुराल में मारपीट और फायरिंग का आरोप है।जिसको लेकर उन पर मोतिहारी नगर थाना में केस दर्ज कराया गया था।इस मामले को लेकर आज उनकी पेशी सीजीएम कोर्ट में हुई।जहां कोर्ट के निर्णय के बाद उसे वापस सीवान पुलिस लेकर चली गई। उल्लेखनीय है कि विगत दिनो ओसामा को लेकर कोर्ट ने प्रोडक्शन वारंट जारी किया था।लिहाजा यह कयास लगाया जा रहा था, कि ओसामा को मोतिहारी सेन्ट्रल जेल में रखा जायेगा जहां से मोतिहारी पुलिस उन्हे रिमांड पर लेगी लेकिन कोर्ट के निर्णय के बाद सीवान पुलिस उसे लेकर वापस चली गई।

NEWSMIRROR

Thursday 02 November 2023

Editorial

मोबाइल फोन की गिरफ्त में बचपन

भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ समय निकालकर अपनी दिनचर्या पर नजर डालेंगे तो आपका अधिकतम समय मोबाइल फोन के साथ ही बीतता है। व्यक्ति की इसी कार्यशैली का अनुकरण घर-परिवार के बच्चे भी कर रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि बच्चों का बचपन मोबाइल की गिरफ्त में धीरे-धीरे आता जा रहा है और बालमन परिवर्तित हो जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। पहले के समय में बच्चा दादा-दादी, चाचा-चाची या घर के अन्य सदस्यों की ममता भरी गोद में कविता, कहानी सुनते हुए, खेल खेलते हुए, सीखते हुए आगे बढ़ता था। आज वह मोबाइल के सहारे आगे बढ़ रहा है और तो और यदि घर में कोई सदस्य नहीं होता है तो ध्यान करिए पास पड़ोसियों के पास जाकर खेलता कूदता था। उसके लालन पोषण में जो पास-पड़ोस के लोगों का योगदान होता था, जो अब यह नहीं दिखता है। समय रहते इस गंभीर विषय पर हमें सोचना होगा। सचेत होना होगा। नहीं तो आने वाले समय में परिणाम बहुत ही दुखद होंगे। बालमन बहुत ही कोमल होता है। वह अनुकरण और अनुभव से सीखना प्रारम्भ करता है। इतिहास में भी इस बात का प्रमाण है कि अष्टावक्र ऋषि और अभिमन्यु ने भी मां के गर्भ से ही सीखना प्रारम्भ कर दिया था। आपाधापी भरी जिंदगी में आज भी बच्चा जब मां के गर्भ में होता है तब भी मां अपने कार्यों और व्यक्तिगत रुचि के कारण सर्वाधिक समय जाने अनजाने मोबाइल के साथ ही व्यतीत करती है। जन्म के बाद भी बच्चों को बहलाना हो या अन्य कोई कारण हो किसी न किसी बहाने से मां या घर के सदस्यों द्वारा बच्चों को मोबाइल पर कुछ न कुछ दिखाया जाता या बच्चों को मोबाइल ही दे दिया जाता है। धीरे-धीरे दिन-महीने-साल बीतते जाते हैं और बच्चा बड़ा होने लगता है, लेकिन वह अपने चारों तरफ यही देखता है कि चाहे घर हो या बाहर, यात्रा के दौरान रेल, बस या कार, शादी समारोह , पर्व और त्योहारों में हर जगह मोबाइल में व्यस्त न केवल छोटे बच्चे हैं अपितु हर एक शख्स है।

त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स कंपनियों का मायाजाल

डॉ. रमेश ठाकुर

मौसम त्योहारी है। लोगों का खरीदारी करना स्वाभाविक है। ग्राहक घर बैठे ही सस्ता माल खरीदें, इसको लेकर 'ई-कंपनियों' ने जाल बिछाया है। कंपनियां तरह-तरह के उत्पाद में ऑफर देकर ग्राहकों को ललचा रही हैं। लेकिन यहां ग्राहकों को थोड़ा सावधान और सतर्क होना होगा, क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी का मतलब ऑनलाइन ठगी भी हो गया है। समूचे भारत में इस वक्त ऑनलाइन ठगी का मुद्दा गरमाया हुआ है। ई-भुगतान के जरिए हमारा डेटा आसानी से चोरी हो रहा है। इंटरनेट से संचालित ई-कॉमर्स कंपनियां सस्ते और लुभावने लालच देकर धीरे-धीरे हमारे पारंपरिक बाजारों को कब्जाने की फिराक में हैं। करीब आधे से ज्यादा बाजार पर इन्होंने कब्जा कर भी लिया है। इंटरनेट की आड़ लेकर वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने-बेचने में ई-कॉमर्स कंपनियों ने भारतीय उपभोक्ताओं पर ऐसी छाप छोड़ी हैं जिससे ग्राहक उनकी ओर खिंच रहे हैं। पर, अब ग्राहक सस्ते दामों का गणित समझने लगे हैं। ई-कॉमर्स कंपनियां सस्ते सौदे के नाम पर जमकर लूटपाट मचा रही हैं। त्योहारों में ग्राहकों को फंसाने के लिए इन कंपनियों ने चारों ओर अपना जाल बिछाया हुआ है। दो अव्वल ऑनलाइन कंपनियां फ्लिपकार्ट और अमेजन ने ग्राहकों को लोक-लुभावने लालची ऑफर दिए हैं। ये ऑफर बाजार में उपलब्ध तकरीबन सभी वस्तुओं पर हैं। इसके पीछे कंपनियों की चालाकी और धोखाधड़ी भी छिपी होती है, जो खरीदारी के करते वक्त ग्राहक समझ नहीं पाते। कंपनियां ग्राहकों को दो तरीकों से ठगती हैं। एक तो सस्ता ऑफर देकर रद्दी किस्म का माल देती हैं, वहीं दूसरा ग्राहकों से पैसे डिजिटल तरीके से लेती हैं, यानी ऑनलाइन? जिससे कंपनियां उनकी निजता पर भी चुपके से प्रहार करती हैं। इससे ग्राहकों का डेटा आसानी से चोरी हो जाता है। डेटा चोरी का मुद्दा भी इस वक्त गर्म है। कई बार तो ऐसा भी प्रतीत होता है कि ई-कॉमर्स कंपनियों और साइबर ठगों के बीच डेटा चोरी को लेकर सांठगांठ है। बहरहाल, ई-कॉमर्स कंपनियों ने अब और विस्तार कर लिया है। सिर्फ बेचने-खरीदने तक ही सीमित नहीं रहीं। ई-बैंकिंग, ई-शॉपिंग व ई-बिजनेस इत्यादि क्षेत्रों पर भी ई-कॉमर्स कंपनियों ने कब्जा कर लिया है। हालांकि इससे उत्पादकों एवं विक्रेताओं को वस्तुओं एवं सेवाओं के विश्वव्यापी बाजार जरूर मिले है। पर, व्यापारिक सूचनाओं के आदान-प्रदान और क्वालिटी में भारी कटौती भी हुई है। दुखद पहलू ये है कि ई-कॉमर्स क्षेत्र में अब धीरे-धीरे वृद्धि के साथ, ई-कॉमर्स कंपनियों में धोखाधड़ी का खतरा तेजी से बढ़ा है। समय की दरकार है कि इन कंपनियां पर अंकुश लगना चाहिए, वरना इनकी मनमानी और बढ़ेगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें बिना देर किए ऑनलाइन संगठन के धोखेबाजों पर चाबुक चलाएं। उनकी दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को रोकने के लिए मजबूत समाधान और रणनीति बनाने की दरकार है। सरकारी और सामाजिक सतर्कता और सक्रियता नहीं हुई तो इनका खेल बदस्तूर जारी रहेगा। फिलहाल केंद्र सरकार ने डार्क पैटर्न अपनाने वाली ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए एक गाइडलाइन जारी की है जिससे इन पर नकेल कसी जाएगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's **Opinion**

कब सुधरेगें सीवर सफाईकर्मियों के हालात

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में सीवेज की सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने गत दिनो केन्द्र व सभी राज्य सरकारों को निर्देशित किया है कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजनों को 30 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सीवेज की सफाई के दौरान स्थायी दिव्यांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। पीठ ने कहा केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो जाए। फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति भट ने कहा कि यदि सफाईकर्मी अन्य दिव्यांगता से ग्रस्त है तो अधिकारियों को उसे 10 लाख रुपये तक का भुगतान करना होगा। इस दौरान पीठ ने कई निर्देश जारी किए। पीठ ने निर्देश दिया कि सरकारी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वय करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं न हों और इसके अलावा उच्च न्यायालयों को सीवेज से होने वाली मौतों से संबंधित मामलों की निगरानी करने से न रोका जाए। यह सच है कि प्रतिबंध के बावजूद आज भी भारत में गंदी नालियों और सैप्टिक टैंकों की सफाई इंसान के हाथों से की जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में इस तरह की सफाई करने के दौरान 347 लोगों की मौत हुई। लोकसभा में सामाजिक न्याय मंत्रालय ने एक सवाल के जवाब में माना है कि भारत में इंसानों से गंदे नालों और सैप्टिक टैंकों को साफ करवाने की प्रथा अभी भी जारी है और इसमें सैकड़ों लोगों की जान जा रही है। मंत्रालय ने बताया कि इस खतरनाक काम को करने के दौरान 2017 में 92, 2018 में 67, 2019 में 116, 2020 में 19, 2021 में 36 और 2022 में 17 सफाईकर्मियों की जान जा चुकी है। देश के 18 राज्यों के आंकड़े मंत्रालय के पास हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक इन पांच साल में इस तरह की सफाई के दौरान सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 51 लोग मारे गए। उसके बाद तमिलनाडु में 48 लोग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 44 लोग, हरियाणा में 38 लोग, महाराष्ट्र में 34 लोग और गुजरात में 28 लोग मारे गए हैं। इस प्रथा को बंद करने की मांग करने वाले लोगों का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में आज भी गंदे नालों और सैप्टिक टैंकों की सफाई इंसानों से करवाई जाती है। सीवेज सफाई के दौरान हादसों में मजदूरों की दर्दनाक मौतों की खबरें आती रहती हैं। अधिकांश जगह आज भी मजदूर सीवेज की सफाई बिना मास्क, ग्लब्स और सुरक्षा उपकरणों के करते हैं। सीवेज की सफाई करने वालों की मौत होने के साथ ही उन पर निर्भर परिवार भी बेसहारा हो जाता है। परिवार की आमदनी का जरिया अचानक से बंद हो जाता है। देश में जाम सीवेज की मरम्मत करने के दौरान प्रतिवर्ष दम घुटने से काफी लोग मारे जाते हैं। इससे साफ है कि हमारी गंदगी साफ करने वाले हमारे ही जैसे इंसानों की जान कितनी सस्ती है। सीवेज सफाई के काम में लगे लोगों को सामाजिक उपेक्षा का भी सामना करना पड़ता है। देश में पिछले एक वर्ष में सीवेज की सफाई करने के दौरान 200 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। इस अमानवीय त्रासदी में मरने वाले अधिकांश लोग असंगठित दैनिक मजदूर होते हैं। इस कारण इनके मरने पर कहीं विरोध दर्ज नहीं होता है। देश में करीबन 27 लाख सफाई कर्मचारी हैं। इनमें से 20 लाख ठेके पर काम करते हैं। एक सफाईकर्मी की औसतन कमाई 7 से 10 हजार रुपये प्रति माह तक होती है। गंदगी में काम करने से आधे से अधिक सफाई कर्मी तो कई बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं। इस कारण अधिकांश गटर साफ करने वाले लोगों की कम उम्र में ही मौत हो जाती है। गटर साफ करने वाले लोगों के लिये बीमा की भी कोई सुविधा नहीं होती है। आमतौर पर सीवेज में उतरने से पहले सफाईकर्मी शराब पीते हैं। शराब पीने के बाद शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

साहित्यिक हलचल

मुकेश राठौर

मो 9752127511

अवकाश प्रदेश में आभार दिवस का आयोजन

एक समय की बात है। जुन्नारगढ़ नाम का एक राज्य था।वहां का राजा बड़ा ही बुद्धिमान, दूरदर्शी और प्रजापालक था। प्रजा की छोटी-छोटी जरूरतों और भावनाओं का ध्यान रखता। मुखिया मुख सो चाहिए, खानपान को एकस्टाइप। जननायक वही जो जन भावनाओं को समझे। राजा, प्रजा के प्रति इतना संवेदनशील और समर्पित था कि कहीं से किसी को कंकड़ चुभने की शिकायत भर आ जाती तो सड़क बनवा देता, किसी को गलती से कांटा लगा,तो तुरंत बागड़ फूंकवाता, किसी को राह में प्यास लगती तो कुआं खुदवाता और किसी को भूख लगती तो भोजशाला बनवा देता । राजा बस इतना चाहता था कि उसकी प्रजा बैठे-ठाले खाए और दुआ दे या डकार सिर्फ अपने राजा का नाम मुंह से निकालें। प्रजा बहुत खुश थी।राजा तो खैर था ही।राजा प्रजा की संख्या जानना चाहता था बाकायदा जातिवार, लिंगवार। लेकिन कैसे?उसने देखा प्रजा के जीवन में अवकाश की कहीं कमी सी हो गई है। अवकाश केवल राजकर्मियों को ही नहीं अपितु जनसामान्य को भी तरोताजा होने के लिए टॉनिक का काम करता है। यह बात राजा समझता था।र ाज्य में उत्सवों पर तो अवकाश देने का रिवाज था ही,राजा ने महापुरुषों के जन्मदिन पर भी अवकाश देने का आदेश जारी किया।

इतना बड़ा राज्य,इतने सारे जात-समाज तो महापुरुषों की क्या कमी? देखते ही देखते राज्य अवकाश प्रदेश बन गया।अवकाशों की संख्या बढ़ी तो जातियां खुश हुई और अवकाश वृद्धि देख राजकर्मी । जिन जातियों के महापुरुषों के नाम अवकाश घोषित हुए उन्होंने तो राजा को सौ-सौ बार बधाइयां दी लेकिन जिनके महापुरुषों की अनदेखी हुई वे राजा के विरोध में उतर आए और अपने वाले महापुरुष की जयंती पर भी अवकाश घोषित करने की मांग करने लगें।

महापुरुषों के जन्मदिन पर अवकाश होने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कम से कम उस दिन वह महापुरुष याद रहता है,जो कि काम की व्यस्तता के बीच संभव नहीं।खैर,...राजा दूरदर्शी और बुद्धिमान था, प्रजापालक तो था ही। जिस जाति का विरोध बढ़ने लगता,राजा उसकी तुरंत जातिगत जनगणना करवाता, राज्य की जनसंख्या में उसका प्रतिशत अपेक्षाकृत अधिक होता तो उसकी मांग मान ली जाती। इस दौरान जिन्हें अपनी जनसंख्या कम होने का पता चल जाता वे खुशी-खुशी अपनी जनसंख्या बढ़ाने में व्यस्त हो जाते। कुछ दिन बाद उनकी भी मांग मान ली जाती।

राजा किसी को दुखी नहीं देखना चाहता था, सो अवकाशों की संख्या बढ़ती ही गई। एक दिन ऐसा आया कि साल के पूरे तीन सौ पैंसठ दिन अवकाश घोषित हो गए। प्रजाजनों की खुशी सातवें तो राजकर्मियों की खुशी आठवें आसमान पर पहुंच गई। खामख्वाह, पूरी तनख्वाह वाली स्थिति बनीं।राजा की बदौलत प्रजा को भी अपने स्वयं के महापुरुषों को स्मरण करने का अवसर मिला। तीन साल मजे में बीते चौथे साल उनतीस की फरवरी आ गई। राजा विचारने लगा कि अब क्या करूंगा? अपने मंत्रियों को भेजकर सर्वेक्षण करवाया।

पता चला राज्य में अब कोई भी जाति अवकाश लाभ से वंचित नहीं। राजा घोर चिंता से भर गया कि इस एक कार्यदिवस को कैसे अवकाश दिवस में बदला जाए। तभी उनके एक प्रमुख दरबारी ने सुझाव दिया, राजन आपने समाज को महापुरुष दिए और महापुरुषों के नाम पर अवकाश भी।सो प्रजा का भी नैतिक दायित्व बनता है कि वह आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापन स्वरूप इस दिन को आभार दिवस के रूप में मनाए। राजा को सलाह पसंद आ गई। उन्होंने तुरंत घोषणा की कि हर चौथे साल उनतीस फरवरी के दिन को राज्य में आभार दिवस के रूप में मनाया जायेगा।

इस दिन सारी जातियां अपना आराम छोड़कर (काम तो खैर पहले ही छोड़ चुकी थीं) राजदरबार में एकत्र होगी। उनके आने-जाने, भोजन-प्रसादी आदि का खर्च हम उठाएंगे। राजकर्मियो ने आभार दिवस का अवकाश घोषित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और राजा का आभार माना।

दोस्ती

आशीष कुमार, वाराणसी

दोस्ती अपनेपन का है अटूट प्रेम
जिसका सीधा अर्थ है भुवन में
जिस पर, हम भरोसा कर सकते
आदिकाल से ही दोस्ती इस भव में
सिर्फ नाममात्र की न हुआ करती थी।।

चाहे दोस्ती कृष्ण-सुदामा की हो
या फिर दोस्ती कर्ण-दुर्योधन की
दोस्त को पूर्ण रुपेण साथ देने को
वीर काल में दोस्ती कहा करते थे ।।

इस बीच अपने मित्र के खिलाफ
कोई भी द्वेष की भावना न आती थी
परंतु आज के समय में ऐसे मित्र का
मिलना असंभाव्य सा हो गया है।।

आज भूयिष्ठ मनुज लोगों को
लाभ, धन, चेहरा को देखकर
दोस्ती का प्रस्ताव रखते हैं
आज अतिशय मनुष्य यहां
जब तक दोस्त से है काम,
तब तक ही दोस्ती का है नाम
जिस दिन मीत का काम खत्म,
उस दिन से दोस्ती का नाम खत्म...।।

अटकेगा सो भटकेगा

डॉ. माध्वी बोरसे, विकासवादी लेखिका

अटकेगा सो भटकेगा, अगर कार्य से पहले अत्यधिक सोचेगा, दुविधा में जो तू पड़ेगा, अधूरा कार्य तेरा हमेशा रहेगा।

बहुत लोकप्रिय कहावत है, अटकेगा सो भटकेगा! अक्सर मनुष्य, ज्यादा चाह की वजह से, या तो भरोसेमंद ना होने की वजह से दुविधा में रहता है और यह नकारात्मक प्रभावों से जुड़ा हुआ है, जिसके कारण ₹सामाजिक कार्यकर्ताओं का बर्नआउट, प्रतिबद्धता की कमी, वेतन, सहकर्मियों और पर्यवेक्षकों के साथ कम संतुष्टि, खराब प्रदर्शन और कई अनुभवजन्य अध्ययनों में नौकरी का तनाव₹ होता है।

सही समय पर सही परिणाम न मिल पाना। अपर्याप्त कौशल के माध्यम से उस इनपुट को समझने में असफल होना। यह समझने में असफल होना कि अतीत में काम करने वाली कोई चीज अब काम नहीं करेगी। यह जानने में असफल होना कि बिना सभी सही जानकारी के निर्णय कब लेना है और कब अधिक सलाह की प्रतीक्षा करनी है। हमें इन सब के बारे में जानकारी लेनी चाहिए और कौशल होना चाहिए!

किसी कार्य के बारे में जानकारी ना होना और उसमें कौशल ना होना हमारे जीवन में दुविधाओं का पहाड़ खड़ा कर देता है! अक्सर ज्यादा दुविधा और सोच में पड़ने के कारण, कार्य हमेशा अधूरा ही रह जाता है इससे हमें हमारी लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती है!

भ्रमित महसूस करना निराशाजनक और असहज हो सकता है, जिससे अक्सर लोग हार मान लेना चाहते हैं, दूर हो जाते हैं, और अंततः, ध्यान खो देते हैं। जबकि, जब आप नई चीजें सीख रहे होते हैं तो भ्रम होना तय है, ऐसे कई तरकीबें हैं जिनका उपयोग अपने भ्रम को दूर करने और भविष्य में भ्रम को रोकने में मदद के लिए कर सकते हैं।

ऐसी जगह बैठें जहां कोई अशांति न हो। हर भ्रम को कागज पर उतारो। अपने डर को भी लिखें। एक बार जब विचार कागज पर आ जाएंगे तो वे आपको परेशान करना कम कर देंगे।

दिशाओं, प्रक्रियाओं और अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से संप्रेषित करें। मिश्रित संदेश देने से बचें। समय सीमा तय करें। संगठन के मिशन के साथ सभी गतिविधियों को संरेखित करें। हमेशा ऐसे वक्त पर गहरी सांस लें और थोड़ा धीरज रखे।

यदि आप वास्तव में भ्रमित हैं, तो आपको केवल मुझे नहीं पता कहने से कभी नहीं डरना चाहिए, खासकर यदि आपसे इस समय होने वाली हर चीज को समझने की उम्मीद की जाती है। बस सुनिश्चित करें कि आप उस बारे में विशिष्ट हैं जिस पर आपको स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

अगर हम इन सब निम्न बातों का ध्यान रखें, तो हम दुविधा में नहीं पड़ेंगे, जो कार्य आसानी से हो सकते हैं, उनके बारे में अत्यधिक ना सोचे वरना वह कार्य रह जाएगा!

कभी-कभी आपने दो दोस्तों को देखा होगा, एक है जो सोचता ही रह जाता है, दुविधा में जीता है और एक वही समान वक्त में वह कार्य करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर लेता है! तो चलिए आज ही से प्रण लेते हैं, किसी भी नेक कार्य को करने से पहले बहुत ज्यादा ना सोचेंगे और दुविधा मुक्त होने की कोशिश करेंगे कि हम भी सही समय पर वक्त रहते अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर ले!

अटकना ना तू भटकना ना,
वक्त का महत्व तू जरूर समझना,
कार्य तू करते रहना,
दुविधा में ज्यादा उलझना ना।

माँ

आरती त्रिपाठी

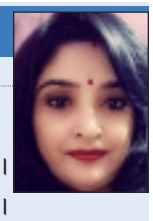

तेरी दुआयें ही मेरी कमाई है।
तेरे कदमों से बरकत आई है।
तुझसे ही मैंने जीवन है पाया।
तुझसे ही सारी खुशियां पाई है।।

तेरे कदमों की धूल जो मिल गई।
दुनिया मेरी तो फूल सी खिल गई।
तेरे कदमों के निशानों पर चलकर।
मैंने ये खूबसूरत मंजिल पाई है।।

तूने जब जब मुझे हँसके गले लगाया।
तब तब मैंने खुदा को खुद में पाया।
जब तूने हँसकर मेरे सर पे हाथ फेरा।
तब तब मेरे जीवन का हुआ नया सवेरा।।

माँ मेरी कभी ना तू मुझसे रूठना।
खफा ना होना चाहे जी भरके कूटना।
तेरे आँचल की छाया में ही मैंने तो।
चाँद जैसी ठंडी शीतलता पाई है।।

मेरा जीवन हो बस तेरे कदमों तले।
तेरी ही छाया में जीवन की शाम ढले।
हर अच्छी बुरी सीख मैने तुझसे पाई है।
मैं कोरा कागज हूँ माँ तू मेरी रोशनाई है।।

माता-पिता तुल्य जग में कोई अनमोल हीरा नहीं

किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

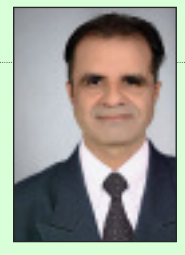

माता-पिता को ठेस पहुंचाने तुल्य कोई पाप नहीं
माता-पिता की सेवा कर ख़ुश रहने जैसा पुण्य नहीं
जिनके हृदय में माता-पिता का मूल्य नहीं
सृष्टि में वह मानवता के तुल्य नहीं
माता-पिता की सेवा तुल्य कोई पुण्य नही
मां पृथ्वी से बड़ी पिता आकाश से ऊंचा है
माता-पिता से बढ़कर कोई तीर्थ देवता गुरु नहीं
माता-पिता से मिले संस्कार की तुलना नहीं
सृष्टि में माता-पिता से बढ़कर कोई नहीं
हम क्या जाने हमारे लिए हमारी मां
कितने दिन कितनी रातें सोई नहीं
माता-पिता से बढ़कर दुनिया में कोई नहीं

लेखक- कर विशेषज्ञ, साहित्यकार, स्तंभकार, कानूनी लेखक, चिंतक, कवि

लघुकथा: गर्मी की छुट्टियां

वीरेंद्र बहादुर सिंह

उस दिन सभी बच्चे बहुत खुश थे। क्योंकि कल से गर्मी की छुट्टियां होने वाली थीं। अब तो सवा महीने तक खूब धींगामस्ती, मौजमजा और घूमना-फिरना होगा।

पर इन सभी विद्यार्थियों में सब से ज्यादा खुश कुमार था। क्योंकि अब वह सवा महीने तक फुलटाइम मजदूरी कर सकेगा। अपनी विधवा मां की मदद करने के साथ-साथ अपनी पढ़ाई का खर्च भी निकाल लेगा।

जेड-436ए, सेक्टर-12,नोएडा

मां

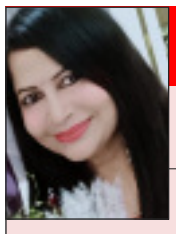

हिमाद्री वर्मा 'समर्थ'
जयपुर

जिंदगी कड़क धूप तुम शीतल छांव हो मां
धरा पर धानी चुनर लिए ईश स्वरूप हो मां ।
तन में बहती लहु की इक इक बूंद में तुम
दिल में धड़कती हर धड़कन में तुम हो मां।।

संसार से मेरी प्रथम भेंट कराने वाली तुम
जीने के अंदाज सिखाने वाली तुम हो मां।
मेरे सभी नाज़ नखरे प्यार से उठाती तुम
मेरी जीवन की प्रथम शिक्षिका तुम हो मां।।

मुझे रोता देखकर खुद भी रो देती थी मां
मेरी छोटी मुस्कान पर वारी वारी जाती मां।
बिजली गुल होने पर पंखी झलती थी तुम
मेरी नींद के लिए सारी रात जागती थी मां।।

चांद सरीखे गोल फुल्के मस्त फुलाती तुम
भोजन में कितना सारा प्रेम मिलाती थी मां।
दिनभर सूरज बन उजाला फैलाती थी मां
रात चंदा की कथा से मन बहलाती थी मां।।

अपने मन की सारी पीड़ा हमसे छिपा तुम
हमारे मन की सारी बातें झट समझती मां।
हम में दुनिया का दर्शन कर खुश होती तुम
चाहतों को अपनी तिजोरी में बंद रखती मां।।

नादान रहा बचपन ना समझा क्या होती मां
मां बन मां को जाना कितना धीर धरती मां।।

घर को एलर्जी से दूर रखने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

घर पर हे फीवर या एलर्जी अस्थमा के लक्षणों का अनुभव करना आम हो रहा है। एलर्जी हमेशा किसी एक मौसम में नहीं होती है। ये साल के किसी भी समय आप पर हमला कर सकती है। हालांकि जब बाहर की दुनिया की बात आती है तो आप बदलाव नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे कदम हैं जिन्हें आप अपने घर में एलर्जी को कम करने के लिए अपना सकते हैं। कोशिश करें कि आपका घर किसी भी ऐसे तत्व से मुक्त है जो आपको एलर्जी की समस्या से परेशान कर सकता है।

पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें

याद रखें कि बेडरूम आपके परिवार के हर सदस्य के लिए आराम की जगह है। अगर परिवार में किसी को पालतू जानवरों से एलर्जी है, तो अपने पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें। अपने पालतू जानवरों को एक अलग कमरे में सुलाएं। उन्हें हफ्ते में एक बार नहलाएं ताकि उनके फर से एलर्जी दूर हो सके।

कुछ ऐसे कदम हैं जिन्हें आप अपने घर में एलर्जी को कम करने के लिए अपना सकते हैं। कोशिश करें कि आपका घर किसी भी ऐसे तत्व से मुक्त है जो आपको एलर्जी की समस्या से परेशान कर सकता है।

फर्नीचर का चुनाव सोच-समझकर करें

क्या आप हर बार सोफे पर लेटने पर असुविधा महसूस करते हैं? फर्नीचर में अपहोल्स्ट्री या गंदगी इसका कारण हो सकती है। आप अपहोल्सट्री के बिना सोफा और कुर्सियों को चमड़े, लकड़ी, धातु या प्लास्टिक से बने फर्नीचर से बदल सकते हैं। ये साफ करने में आसान होते हैं और एलर्जी को भी दूर रखते हैं।

फ्रिज को साफ रखें

रेफ्रिजरेटर को साफ रखना आपकी रसोई को एलर्जी मुक्त और स्वच्छ रखने की दिशा में एक जरूरी कदम है। फ्रिज में ज्यादा नमी को पोंछें।

दाग-धब्बे हटाकर फ्लॉलेस स्किन पाने के लिए इस्तेमाल करें ये पानी

गर्मियों के मौसम में स्किन पर कई तरह की एलर्जी और एक्ने हो जाते हैं। इनसे आपको छुटकारा तो मिल जाता है लेकिन इनके खत्म होने के बाद आपकी स्किन पर निशान रह जाते हैं। जिसकी वजह से आपकी चेहरे की खूबसूरती बिगड़ जाती है। स्किन पर दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए आप घर के बने एलोवेरा और चावल के पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां जानें कैसे बानएं और कैसे करें इसका इस्तेमाल।

कैसे बनाएं चावल का पानी

चावल का पानी बनाने का सबसे तेज तरीका इसे भिगोना है। इसके लिए आधा कप कच्चा चावल लें और फिर अच्छी तरह धो लें। फिर चावल को 2-3 कप पानी के साथ कटोरे में रखिये। फिर 30 मिनट के लिए भीगने के लिए छोड़ दें। बाद में चावल के पानी को साफ बर्तन में छान लें। चावल का पानी तैयार है।

कैसे बनाएं एलोवेरा और चावल का पानी

इसे बनाने के लिए आपको सिर्फ एलोवेरा जेल और चावल के पानी की जरुरत होती है। इसके लिए आपको दोनों चीजों को बस मिक्स करना है और फिर उसे एक तरफ रख दें।

कैसे करें इसका इस्तेमाल

खूबसूरत फ्लॉलेस स्किन के लिए इस पानी को रोजाना रात में सोने से पहले इस्तेमाल करें। इसके लिए सबसे पहले चेहरे को अच्छे से साफ करें। फिर इस पानी को चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथ से मसाज करें और लगा कर छोड़ दें। फिर अगली सुबह चेहरे को अच्छे से धो लें। अच्छे रिजल्ट के लिए इसको रोजाना के स्किन केयर में शामिल करें।

एलोवेरा में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। एलोवेरा स्किन के लिए खूब फायदेमंद होता है, वहीं ग्लोइंग और बेदाग स्किन पाने के लिए आप इसको यूज कर सकते हैं।

चावल का पानी आपके चेहरे के लिए अच्छा होता है। चावल का पानी आपकी स्किन को चमक देने के लिए जाना जाता है। इसमें विटामिन ई, एंटीऑक्सिडेंट और फेरुलिक एसिड होता है जो आपके रंग को टोन, कसने और चमकदार बनाने में मदद करता है।

वहीं एलोवेरा में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। एलोवेरा स्किन के लिए खूब फायदेमंद होता है, वहीं ग्लोइंग और बेदाग स्किन पाने के लिए आप इसको यूज कर सकते हैं।

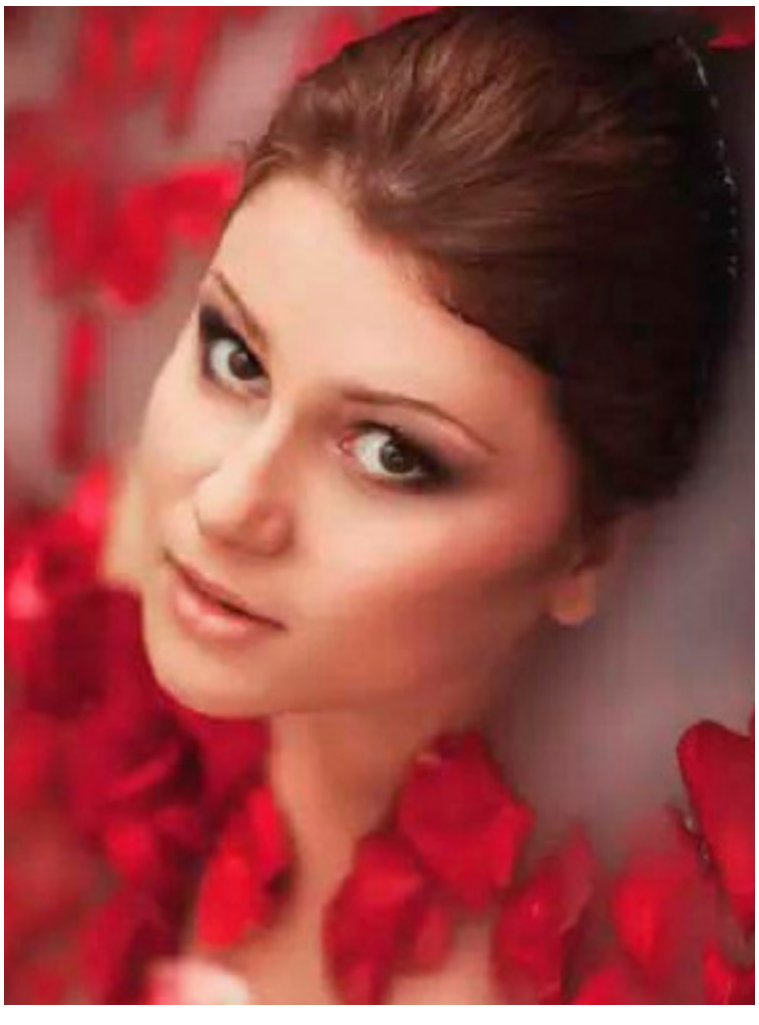

पसीने की बदबू दूर करने के कारगर DIYs, स्किन प्रॉब्लम्स भी हो जाएंगी दूर

शरीर से दुर्गंध आना कई लोगों की एक आम समस्या है और गर्मी के मौसम में ज्यादा गर्मी और पसीने के कारण यह समस्या और भी बढ़ जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके पसीने में दूर ही काफी बदबू आती है।

गौर करें, तो पसीना आना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और पसीना गंधहीन होता है, लेकिन कई लोग यह सोचते हैं कि पसीना अगर गंधहीन यानी इसमें कोई भी महक नहीं होती, तो फिर कई लोगों के पसीने से बदबू क्यों आती है। यह शरीर पर बैक्टीरिया का विकास है, जो गंध का कारण बनता है।

बाजार में कई बॉडी टैल्क और डिओडोरेंट्स उपलब्ध हैं, लेकिन वे लंबे समय तक बदबू का मुकाबला नहीं कर सकते हैं।

ठीक से नहाएं

नहाना सबसे अहम है। जिन लोगों को ज्यादा पसीना आता है, उन्हें रोजाना और दो बार नहाना चाहिए। एक अच्छे एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। आप ककड़ी, एलोवेरा, टी ट्री ऑयल, नीम या मेन्थॉल से दिन में दो बार बॉडी वाश भी ले सकते हैं। इससे शरीर से बैक्टीरिया दूर रहते हैं।

नीम की पत्तियां

नीम के कई औषधीय गुण हैं। मुट्ठी भर नीम की पत्तियों में पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। 15 मिनट के लिए लगाएं और धो लें। नीम के पत्तों को पानी की बाल्टी में डालें और उस पानी से नहाएं।

नारियल का तेल

नारियल के तेल के कई फायदे होते हैं। नहाने के बाद अंडरआर्म्स पर नारियल का तेल लगाएं। नारियल तेल के रोजाना इस्तेमाल से भी अंडरआर्म्स का कालापन हल्का हो जाएगा। नारियल के तेल में पौष्टिक गुण होते हैं। यह स्किन को नमीयुक्त और पोषण भी देगा।

पानी पिएं

पर्याप्त पानी पीने से आप अंदर से हाइड्रेट रहेंगे। यह शरीर से टॉक्सिक को बाहर निकालता है, जिससे शरीर में बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को हटा दिया जाता है। साथ ही, पानी एक न्यूट्रलाइजर है, तो यह आंतों में बैक्टीरिया की रोकथाम भी करेगा।

मीठा सोडा

बेकिंग सोडा के पेस्ट को बराबर भागों में कॉर्न स्टार्च के साथ लगाने से नेचुरल डियोडोरेंट का काम होगा।

BNM Fantasy
Thursday
02 November 2023

उर्फी जावेद को मिली जान से मारने की धमकी

मनोरंजन जगत की कॉन्ट्रोवर्सी क्वीन उर्फी जावेद अपने अतरंगी फैशन को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। हालांकि कई बार वह अपने फैशन की वजह से ट्रोल भी हो जाती हैं, लेकिन इस बार फैशन उन्हें महंगा पड़ गया है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। हाल ही में उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में वह 'भूल भुलैया' के 'छोटा पंडित' लुक में नजर आईं। अब उर्फी को इस स्टाइल को कॉपी करना काफी महंगा पड़ गया है। इस फैशन से उनकी जान को खतरा हो गया है। छोटा पंडित का लुक कॉपी करने पर एक्ट्रेस को जान से मारने की धमकी मिली है। इस बात का खुलासा खुद एक्ट्रेस ने किया है।

श

शादी के बाद भी साथ नहीं रह रहे हैं अंकिता लोखंडे और विक्की जैन

मशहूर टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन 'बिग बॉस 17' में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए हैं। बेहद रोमांटिक नजर आने वाला ये जोड़ा इस घर में एक-दूसरे से झगड़ता नजर आ रहा है। अक्सर घर में तीखी नोकझोंक होती रहती है। इसमें अंकिता और विक्की के बीच ज्यादा बहस होती नजर आ रही है। अब दोनों के बीच विवाद देखकर फैंस भी अवाक रह गए हैं। अब अंकिता ने एक बड़ा खुलासा किया है। अंकिता ने कहा कि, "हम दोनों इस घर में यह सोचकर आए थे कि एक-दूसरे के साथ चार महीने बिताएंगे और छुट्टियों का आनंद लेंगे। क्योंकि हम साथ नहीं रहते।" अंकिता लोखंडे ने अपने इस बयान से सभी को चौंका दिया है। 'बिग बॉस 17' के घर में एंट्री से पहले अंकिता लोखंडे ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वह अपने पति के साथ नहीं रहती हैं। इस दौरान अंकिता ने कहा था कि, "हम इस घर में यह सोचकर आए हैं कि चार महीने ॉसाथ रहेंगे और यह हमारे लिए छुट्टियों का समय होगा। क्योंकि हम ऐसे घर में एक साथ नहीं रहते। मैं मुंबई में रहती हूँ। विक्की का कारोबार विलासपुर में है इसलिए वह वहीं रहता है।" अंकिता ने कहा कि, "विक्की भले ही वर्किंग हैं लेकिन वह समय निकाल कर मुंबई आते हैं। हम कुछ दिनों के लिए साथ हैं। अन्यथा हम बाकी दिन एक-दूसरे से अलग रहते हैं। जब भी हमारा झगड़ा होता है तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा गुस्सा विक्की को आता है। लेकिन इसे तुरंत ही समझा जा सकता है।'

अक्षरा सिंह का नया भोजपुरी गाना 'यूपी बिहार लूटने.

रिलीज़

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के मशहूर गाना 'यूपी बिहार लूटने...' को भोजपुरी में रीक्रिएट किया गया है। यह गाना रिलीज होते ही वायरल हो रहा है। इस गाने को मशहूर बॉलीवुड कोरियोग्राफर मुद्दसर खां ने सुपर स्टार अक्षरा सिंह को लेकर रीक्रिएट किया है। गाने की मेकिंग बेहद अलग अंदाज में हुई है। इस डांसिंग गाने ने रिलीज होने के साथ ही धमाल मचा दिया है। अक्षरा सिंह पर फिल्माए इस गाने को टी-सीरिज हमार भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इस गाने में मुद्दसर खां ने अक्षरा सिंह को धांसू लुक दिया है, जिसे खूब पसंद भी किया जा रहा है। दरअसल, साल 1999 में आई फिल्म "शूल" का चार्ट बस्टर गाना 'यूपी बिहार लूटने...' ने धूम मचा दी थी। इस गाने में तब शिल्पा शेट्टी का जादू खूब देखने को मिला था और अब शुरूआती रुझान में वही जादू अक्षरा सिंह से भी देखने को मिल रहा है। गाना 'यूपी बिहार लूटने...' को लेकर अक्षरा सिंह ने कहा कि इस गाने को लेकर मैं बेहद खुश हूं। हमने एक सुपर हिट गाने को रीक्रिएट किया है, तो इसको लेकर एक चैलेंज भी था, लेकिन मुद्दसर खान की टीम के साथ मिलकर हमने अपना बेस्ट देने की कोशिश की है। उम्मीद है दर्शकों को पसंद आएगा। अक्षरा ने इस गाने को लेकर अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि अब इंतजार खत्म हुआ और अब यह आपकी डांसिंग स्पिरिट धुन को प्रज्ज्वलित करने के लिए तैयार हैं। अक्षरा सिंह ने इस गाने को लेकर एक और पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि गाना अब यूट्यूब पर आ गया है, अपना प्यार दें। आशा है कि आप सभी को 'यूपी बिहार लूटने...' का नया अनुभव पसंद आएगा। गाने की पूरी टीम को धन्यवाद जिन्होंने मुझे बेहतर करने में मदद की। आपको बता दें कि गाना 'यूपी बिहार लूटने...' को अक्षरा सिंह ने अपनी खूबसूरत आवाज दी है। इस गाने के गीतकार अजित मंडल हैं। संगीतकार आर्या शर्मा हैं। इसके निर्देशक मुदस्सर खान हैं और कोरियोग्राफी भी उन्होंने ही की है। कार्यकारी निर्माता मोईन खान हैं।